

अवधपति बोले हनुमत से | By Rahul Rana & Kuldeep Nirmal Titu |

अवधपति बोले यूँ मुख से,
सुनो वीर हनुमान,
वर्षों बाद पड़ा है तुमसे,
एक जरूरी काम ।
धरती पर मानव जाति यूँ,
कर रही हाहाकार,
तुम्हारे कंधे पर धरता,
उनके जीवन का भार ।
कि तुम वहाँ बैठे बली,
करो हर एक की भली,
कि तुम वहाँ बैठे बली,
करो हर एक की भली ॥

राम रसिक तुम राम नाम,
जपने वालों के सहारे,
राम नाम जो बोले मुख से,
लगते तुमको प्यारे ।
राम नाम के सुमिरन से ही,
सुखी हो ये संसार,
तेरे होते हो नहीं सकती,
मेरे भक्तों की हार ।
कि तुम वहाँ बैठे बली,
करो हर एक की भली,
कि तुम वहाँ बैठे बली,
करो हर एक की भली ॥

आपकी आज्ञा सिरोधार्य है,
संकट कटें सारे,
संकटमोचन नाम दिया प्रभु,
आपने जग ये उचारे ।
राम नाम जिनके मुख हो,
उनका बेड़ा हो पार,
कहते यूँ हनुमान करेंगे,
जन जन का कल्याण ।
जय बजरंगबली,
करेंगे सबकी भली,
जय बजरंगबली,
करेंगे सबकी भली ॥

अवधपति बोले यूँ मुख से,
सुनो वीर हनुमान,
वर्षों बाद पड़ा है तुमसे,
एक जरूरी काम ।
धरती पर मानव जाति यूँ,
कर रही हाहाकार,
तुम्हारे कंधे पर धरता,
उनके जीवन का भार ।

कि तुम वहाँ बैठे बली,
करो हर एक की भली,
कि तुम वहाँ बैठे बली,
करो हर एक की भली ॥

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%b5%e0%a4%a7%e0%a4%aa%e0%a4%a4%e0%a4%bf-%e0%a4%ac%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%a4-%e0%a4%b8%e0%a5%87-by-rahul-rana-kuldeep-nirmal-titu/>